Synergy

BSES RAJDHANI

मई–जून, 2006

ऊर्जा व परिवहन मंत्री श्री हारून यूसुफ ने 28 अप्रैल, 2006 को एक साधारण, लेकिन आकर्षक समारोह में स्टेट–ऑफ–द–आर्ट जसोला ग्रिड स्टेशन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मौजूद लोगों में लोकसभा सांसद श्री सज्जन कुमार, विधायक श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी, एमसीडी पार्षद श्री हेम चंद गोयल, बीएसईएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री ललित जालान व बीआरपीएल के मुख्य परिचालन अधिकारी श्री विजय खुल्लर भी शामिल थे।

66/33/11 केवी क्षमता वाला यह 140 एमवीए ग्रिड स्टेशन 15 करोड़ रूपये से अधिक की लागत से बना है। यह ग्रिड दक्षिण दिल्ली के कई इलाकों, मसलन सरिता विहार, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, सुखदेव विहार, जाकिर नगर, सीएसआईआर स्टाफ क्वार्टर्स और जसोला आदि में बिजली की गुणवत्तायुक्त आपूर्ति सुनिश्चित करेगा।

आपका तय लोड क्या है?

विश्वसनीय व गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति पाने के लिए सुनिश्चित करें कि आपका लोड सही हो

बिजली शहरी जिंदगी के लिए सर्वाधिक जरूरी प्राथमिकताओं में से एक हो गई है। सच तो यह हैं कि आज की जिंदगी में काफी तब्दीलियां आ गई हैं और पहले का 'रोटी, कपड़ा और मकान' का नारा अब बिजली और हां, सड़क व पानी के बिना फीका सा लगता है।

दुर्भाग्य से, यहां बिजली की कमी है। जब से बीएसईएस ने यहां बिजली वितरण का काम संभाला है – उत्पादन व पारेषण का नहीं, वितरण के नेटवर्क की विश्वसनीयता को सुनिश्चित करना इसकी प्राथमिकता है।

दिल्ली में बिजली की व्यवस्था दिल्ली ट्रांसको करती है और उसके बाद यह बीएसईएस के ग्रिड, फीडर, वितरण ट्रांसफॉर्मर, एलटी ट्रांसमिशन सिस्टम, फीडर पिलर/पोल, सर्विस लाइन और बस–बार बॉक्स आदि के जरिए वितरित होकर यह उपभोक्ताओं के पास (बिजली मीटर तक) पहुंचती है। वितरण की इस पूरी कड़ी में यदि कोई कमजोर पहलू आता है, तो नेटवर्क ठप पड़ जाता है और उपभोक्ता को बिजली नहीं मिल पाती है।

ऐसे में, नेटवर्क डिजाइन और मेंटेनेंस इंजीनियर की भूमिका काफी महत्वपूर्ण हो जाती है, ताकि वितरण तंत्र की ऊंची विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सके। हमारे इतने विशाल सिस्टम का संचानल एक बड़ा काम है। गौरतलब है कि बीएसईएस के 216 बिजली खरीद पॉइंट्स (डीटीएल से.) हैं, 9000 से अधिक वितरण ट्रांसफॉर्मर हैं और 23 लाख उपभोक्ता हैं।

लोड के पूर्वानुमान के आधार पर हमारा नेटवर्क डिजाइन किया गया है और समय–समय पर उसे अपग्रेड भी किया जाता है। यह उपभोक्ता द्वारा बताए गए बिजली के लोड की मात्रा पर आधारित होता है। इसलिए उपभोक्ता द्वारा न सिर्फ लोड की जरूरत के बारे में बताया जाना नेटवर्क के स्वस्थ संचालन के लिए जरूरी है, बल्कि लोड में बढ़ोतरी के बारे में बताना भी आवश्यक है।

बिजली वितरण व्यवसाय में लोड बढ़ोतरी के लिए इस्तेमाल होने वाले शब्द ये हैं:

क) तय लोड

ख) जुड़ा हुआ लोड

ग) सर्वाधिक मांग लोड

वास्तव में, आपके बिजली कनैक्शन का जुड़ा हुआ लोड आपके तय लोड के बराबर ही होना चाहिए। साथ ही, एक माह में सर्वाधिक मांग कभी भी आपके तय लोड से ज्यादा नहीं होना चाहिए।

तय लोड के बारे में सही–सही बताये जाने से बीएसईएस को बेहतर तरीके से आपकी सेवा करने में मदद मिलेगी:

क) इससे नेटवर्क की योजना के सिलसिले में मदद मिलती है

ख) इससे नेटवर्क को अपग्रेड करने में मदद मिलती है

ग) इससे सही फिक्स्ड चार्जेस (इंफ्रास्टक्चर यूसेज कॉस्ट) जानने में सहायता मिलती है

इसलिए, प्रिय उपभोक्ताओं, जब कभी आप बिजली के कनैक्शन के लिए आवेदन करें, कृपया अपना सही तय लोड पूछें व उसका जिक्र करें। और जब भी आप अपने घर या स्थान पर कोई उपकरण लेकर आएं, तो अपना तय लोड जरूर बढ़वाएं।

बिजली गुल/ लोड शेडिंग– क्या है हकीकत

बिजली गुल तब होती है, जब वितरण की जरूरत के हिसाब से बिजली कम पड़ जाती है। कभी–कभी बिजली उस वक्त भी गुल होती है, जब बीएसईएस योजना के मुताबिक अपने नेटवर्क को शट डाउन या उसे बंद करती है और अपने वितरण सिस्टम के रखरखाव व उसे और बेहतर बनाने का काम कर रही होती है।

लेकिन ज्यादातर समय में वितरण व पारेशण सिस्टम को स्वस्थ बनाए रखने और इसे पूरी तरह से खत्म हो जाने से बचाने के लिए लोड शेडिंग (बिजली गुल) को अंजाम दिया जाता है।

पूरी तरह से खत्म हो जाएगा ?हां।

इसकी व्याख्या इस तरह की जा सकती है। बीएसईएस राजधानी पॉवर लिमिटेड और बीएसईएस यमुना पॉवर लिमिटेड सिर्फ और सिर्फ बिजली के वितरण का काम करती हैं। उनका बिजली के उत्पादन और पारेशण पर कोई नियंत्रण नहीं। अगर सीधे लफ्ज़ों में कहा जाए, तो ये कंपनियां सिर्फ खुदरा विक्रेता हैं। वे सिर्फ वही वितरित करती हैं, जो उन्हें उपलब्ध कराई जाती है।

जहां तक दिल्ली में बिजली के उत्पादन की बात है, तो यह अपनी जरूरत का सिर्फ 17 प्रतिशत बिजली उत्पादित करती है। बाकी की बिजली उत्तरी ग्रिड से खरीदी जाती है, जो कई राज्यों को बिजली देता है और इन दिनों यहां 10 हजार मेगा वॉट की बिजली की कमी चल रही है। बिजली की बढ़ती जरूरत और उत्पादन में कमी की वजह से बिजली की फ्रिक्वेंसी नीचे आ जाती है। इसे बचाने के लिए लो फ्रिक्वेंसी शेडिंग और अंडर फ्रिक्वेंसी प्रोटेक्टिव टिप्स का सहारा लिया जाता है।

अगर साधारण भाषा में कहा जाए, तो बिजली की गुणवत्तायुक्त आपूर्ति के लिए फ्रिक्वेंसी का 50 हर्ट्ज पर बने रहना जरूरी होता है। फ्रिक्वेंसी का स्तर तब बाधित होने लगता है, जब लोड जनरेशन का सामंजस्य भी बाधित होता है। या फिर जब कोटे से ज्यादा बिजली खींच ली जाती है या मांग और आपूर्ति में अंतर आ जाता है, तब भी फ्रिक्वेंसी का स्तर प्रभावित होता है।

ऐसी स्थिति में फ्रिक्वेंसी का स्तर नीचे गिरकर 48. 5 हर्ट्ज पर पहुंच जाता है। यह वह स्थिति है, जब वितरण सिस्टम के पास लोड शेडिंग के अलावा, और कोई विकल्प नहीं बचता है, जब तक कि फ्रिक्वेंसी का स्तर सामान्य न हो जाए।

दिल्ली राज्य लोड डिस्पैच सेंटर के निर्देशों के आधार पर बीएसईएस लोड शेडिंग करती है और इस सेंटर को उत्तरी क्षेत्र लोड डिस्पैच सेंटर से निर्देश मिल रहे होते हैं।

लोड शेडिंग/ बिजली गुल होने के अन्य कारण:

- कम उत्पादन
- उत्पादन इकाइयों के साजोसामान में आई खराबी
- उत्पादन इकाइयों में योजनाबद्ध तरीके से किया गया शट डाउन
- ईंधन की कमी और पुराने साजोसामान के कारण कम उत्पादन
- पारेशण लाइन और अन्य सामन में आई खराबी
- पारेशण से जुड़ीं चीजों का योजनाबद्ध या आपातकालीन रखरखाव/ मरम्मत
- लाइन की क्षमता में बाधा या दिक्कत

समाधान:

- बिजली उत्पादन में बढ़ोतरी– बढ़ती जरूरतों के हिसाब से उत्पादन बढ़ाने की जरूरत है।
- ग्रिड अनुशासन– अपने निर्धारित कोटे से ज्यादा बिजली खींच रहे राज्यों से निबटने के लिए कड़े कदम उठाएं जाएं और उन पर भारी जुर्माना किया जाए।
- वर्तमान उत्पादन इकाइयों की कड़ी ऑडिटिंग हो, ताकि लगातर होने वाली खराबियों को कम किया जा सके।

सावधान

क्या आप कोई प्रॉपर्टी खरीद या बेच रहे हैं? क्या आप कोई घर (सरकारी क्वार्टर्स/फ्लैट्स/बांग्लो आदि) किराए पर ले रहे हैं या उसे छोड़ रहे हैं ?

यदि हां, तो कृपया बकाया न होने का प्रमाणपत्र बीआरपीएल/बीवाईपीएल से लेना न भूलें, ताकि बाद में बकाये से संबंधित किसी समस्या का सामना आपको न करना पड़े।

आखिरी बिल का भुगतान इस बात का प्रमाण कतई नहीं है कि वहां कुछ भी बकाया नहीं है।

वहां इस तरह के दूसरे बकाये भी हो सकते हैं:

- एनफोर्समेंट
- जिस अवधि में मीटर दोषपूर्ण रहा हो, उसका मूल्यांकन (यह दोषपूर्ण मीटर के बदले जाने के छाह माह के बाद ही किया जाता है)
- अस्थायी से लेकर वास्तविक बिल का एडजस्टमेंट
- विवादास्पद बकाये के लंबित निपटारे की वजह से रूका हुआ भुगतान
- किश्तों में किये जाने वाले भुगतान का बकाया
- निर्माण/मरम्मत/सामाजिक कार्यकम आदि के लिए उस जगह पर लिए गए स्थायी कनैक्शन का बकाया आदि
- मालिकाना हक में बदलाव के समय छेड़छाड़ किए गए, जले या दोषपूर्ण मीटर की कीमत

बिजली की बचतः इस वक्त की बड़ी जरूरत

बिजली संकट इस वक्त की सच्चाई है। बिजली उत्पादन में रातोंरात बढ़ोतरी नहीं हो सकती। इसलिए हमें बुद्धिमानी के साथ बिजली का उपयोग करना होगा। हर यूनिट का काफी महत्व है। बिजली की बरबादी नाम की कोई चीज नहीं होनी चाहिए। आप बिजली की बचत करने में हमारी मदद करें। यहां हम कुछ आसान से टिप्स बता रहे हैं, जिनसे आपको बिजली की बचत में मदद मिलेगी और आपका बिजली का बिल भी कम आएगा:

- बिजली पर चलने वाले उपकरणों को स्टैंड बाय मोड पर न रखें। एक सर्वे के मुताबिक, दिल्ली में रिमोट कंट्रोल से ऑफ किए जाने वाले (स्टैंड बाय मोड पर रहने वाले) उपकरणों की वजह से 175 मेगावॉट या दिल्ली में उत्पादित बिजली का 25 प्रतिशत हिस्सा बरबाद हो जाता है। इसकी कीमत करीब 613 करोड़ रूपये बैठती है। इसलिए अपने उपकरणों को मेन स्विच से ऑफ करें, न कि सिर्फ रिमोट कंट्रोल से।
- साधारण बल्बों की जगह ऊर्जा कुशल सीएफएल बल्ब लगाएं, जो बिजली की 75 प्रतिशत कम खपत करती है।
- एयर कंडीशनर के थर्मोस्टैट को 25 डिग्री पर सेट करके रखें।
- फ्रीजर कंपार्टमेंट को नियमित रूप से डिफ्रॉस्ट करते रहें।
- जब कंप्यूटर इस्तेमाल में न हो, इसे ऑफ कर दें। मॉनिटर आधे से अधिक ऊर्जा की खपत करता है। स्क्रीन सेवर ऊर्जा की बचत नहीं करते हैं। कंप्यूटर स्टार्ट करने और उसे भाट डाउन करने में अतिरिक्त बिजली नहीं लगती।
- ट्यूब लाइट्स और बल्बों को नियमित रूप से साफ करते रहें। गंदे बल्ब व ट्यूब लाइट 50 प्रतिशत रोशनी को बेवजह बर्बाद कर देते हैं और हमें रोशनी के दूसरे उपकरणों को स्विच ऑन करने पर मजबूर होना पड़ता है।

सिर्फ आठ अंकों की दूरी पर है मदद

	बीआरपीएल
नो सप्लाई	42895556
बिल व मीटर	39999707
एंटी करप्शन	39999777

संपादकीय टीमः कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस विभाग

अपने सुझाव और विचार इस पते पर भेजें: कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस, बीएसईएस भवन, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली – 110 019

अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट देखें – www.bsesdelhi.com